Socialization: Stages

(4) किशोरावस्था :-

यह अवस्था सामाजिक और मानसिक रूप से सबसे अधिक तनावपूर्ण होती है। एक ओर किशोर अधिक से-अधिक स्वतंत्रता की माँग करने लगता है जबकि दूसरी ओर परिवार और अन्य समूहों द्वारा उनके सभी व्यवहारों पर कुछ-न-कुछ नियंत्रण रखा जाता है। इस समय बच्चे से यह आशा की जाती है कि वह अपने बारे में महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें तथा यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह अपने महत्वपूर्ण निर्णय में सांस्कृतिक मूल्यों का ध्यान रखें। यह अवस्था किशोरों की भावनाओं के प्रतिकूल होता है। यही कारण है कि इस स्तर में बच्चे में कुछ-न कुछ तनाव सदैव बने रहते हैं।

बच्चे को परिवार के सदस्यों के साथ-साथ पड़ोस, विद्यालय, खेल के साथियों और नवागन्तुकों के विचारों से भी समायोजन करना पड़ता है। यहाँ पर समाजीकरण की प्रक्रिया उन बहुत-से निषेधात्मक नियमों से प्रभावित होती है जिनका एक संस्कृति में विशेष महत्व होता है।

सामान्यतया मध्यम वर्गीय परिवारों में इसी समय से किशोर आर्थिक क्रियाएँ करना भी शुरू कर देता है। ऐसे स्थिति में आर्थिक जीवन की सफलता भी समाजीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। इस प्रकार किशोरावस्था समाजीकरण का वह स्तर है जिसमें सांस्कृतिक मूल्यों और व्यक्तिगत अनुभवों के द्वारा आत्म नियंत्रण की धारणा को बल मिलता है।